Syllabus of Hindi (General)

Semester - I

हिन्दी कथा साहित्य एवं नाटक **100 marks**

Module – I: हिन्दी कथा साहित्य **50 marks**

क. हिन्दी कथा साहित्य के विकास की रूपरेखा

ख. हिन्दी की कहानी और कहानीकार :-

अमृतसर आ गया है	भीष्म साहनी
बुद्धिवादी	हरिशंकर परसाई
अथवा	
इंस्पेक्टर मातादीन चाँदपर	हरिशंकर परसाई
अभागी का स्वर्ग	शरतचन्द
पाजेब	जैनेंद्र कुमार
वापसी	उषा प्रियंवदा
बर्डे	स्वयं प्रकाश

Module –II: उपन्यास एवं नाटक- **50 marks**

क उपन्यास का उद्भव और विकास

गबन	प्रेमचंद (समाजशास्त्रीय दृष्टि से विचार)

ख नाटक का उद्भव और विकास

आधे अधूरे	मोहन राकेश

Semester – II

हिन्दी साहित्य का इतिहास **100 marks**

Module – I: हिन्दी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल **50marks**

क. काल विभाजन एवं नामकरण

ख. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

कवि परिचय – अमीर खुसरो तथा विद्यापति ।

ग. भक्तिकाल की प्रमुख धाराएँ - संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, रामकाव्यधारा तथा कृष्ण काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

कवि परिचय – कबीरदास, जायसी, तुलसीदास तथा सूरदास।

घ. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख धाराएँ।

कवि परिचय– बिहारी, केशवदास तथा घनानन्द।

Module –II: मध्यकालीन काव्य- 50marks

(क) कबीर के दोहे –(15)

<u>गुरु संबंधी दोहे:</u>

१. कबीर गुरु गरवा मिल्या ………………………नॉव धरौगे कौंण ।।
२. सतगुरू हमसूँ रीझी कर ………………………भीजि गया सब अंग ।।
३. गुरु गोविंद तौ एक है …………………………तौ पावै करतार ।।
४. सतगुरू की महिमा अनॅत ……………………अनॅत दिखावण हार ।।
५. सतगुरू सवां न कोइ सगा ……………………हरिजन सई न जाति ।।

<u>भक्ति एवं नीति संबंधी दोहे:</u>

६. कस्तुरी कुंडली बसै ……………………………दुनियां देखै नाहिं ।।
७. जाकै मुँह माथा नहीं …………………………ऐसा तत्त अनूप ।।
८. राम नाम जिन चीन्हिया ………………………अंग न जायैं मासु ।।
९. कबीर यहु घर प्रेम का …………………………तब पैसे माहिं ।।
१०. प्रेम न बारी उपजै ……………………………सीस देइ लै जाइ ।।
११. साईं इतना दीजिए ……………………………साधु ना भूखा जाये ।।
१२. तन कौ जोगी सब करैं ………………………जे मन जोगी होइ ।।
१३. सेख सबूरी बाहिरा ……………………………ताकौं कहा खुदाइ ।।
१४. साधु भया तौ क्या भया ……………………भीतरी भरी भंगारि ।।
१५. कर पकरें अंगुरी गिनैं ………………………सो भया काठ की ठौर ।।

(ख) सूरदास के पद -

१. जसोदा हरि पालने झुलावे………………………सो नित जसुमति पावै ।।
२.सिखवत चलन जसोदा मैया……………………प्रताप बिलसत नँदरैया ।।
३. संदेसो देवकी सो कहियो………………………मोहन ह्वैहै करत संकोच ।।
४. गोकुल सबै गोपाल उपासी……………………माँगि मुक्ति छाँड़ै गुन-रासि ।।
५.अँखिया हरि दरसन की भूखी…………………चलावहु ये सरिता हैं सूखी ।।

६. जोग ठगौरी ब्रज न बिकैही........................साँवरे को निरगुन निरबैहै ।।

(ग) तुलसीदास के पद –

१. कबहुंक अंब अवसर पाइ............................तव-नाथ-गुनगन गाइ ।।

२. ऐसी मूढता या मन की.............................करहु लाज निज पन ।।

३. अब लौं नसानो अब न नसइहौं...................पद कमल बसइहौं ।।

४. बरन धर्म नहीं आश्रम चारि.....................तेइ बकता कलिकाल महुं ।।

५. अबला कच भूषण भूरि छुधा...................हरि नाम ते पावहिं लोग ।।

६. इहां न पच्छपात कछु राखउं...................पद प्रीति सदा अबिछीन ।।

(घ) बिहारी के दोहे –

१. मेरी भव बाधा हरौ..................................श्याम हरित दुति होई ।।

२. अधर धरत हरि के..................................इन्द्रधनुष रंग होति ।।

३. तजि तीरथ, हरि.....................................पग-पग होति प्रयाग ।।

४. चिर जीवौ जोरी......................................वे हलधर के बीर ।।

५. बतरस लालच लाल के.............................दैन कहैं नटि जाई ।।

६. चटक न छाड़त.......................................चोल रंग चीर ।।

७. दुसह दुराज प्रजानु..................................मावस रवि चंदु ।।

८. जिन दिन देखे वे....................................अपत कँटीली डार ।।

९. को छुटयो इहि जाल................................त्यौं- त्यौं उरझत जात ।।

१०. स्वारथु ,सुकृत न ,................................पच्छीनु न मारि ।।

११. कर कै मीड़ैं...नीठि पिछानी जाय ।।

१२. पत्राहीं तिथि पाइयत...............................आनन ओप उजास ।।

१३. जाति मरी बिछरी..................................अरी जरी यह प्रीति ।।

१४. दृग उरझत टूटत...................................दई नई यह रीति ।।

१५. तो पर वारौ उरबसी...............................उरबसी समान ।।

Semester – III

हिन्दी साहित्य का इतिहास **100 marks**

Module – I: **<u>हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल</u>** **50 marks**

क) नवजागरण-अर्थ एवं स्वरूप , नवजागरण-युग की विशेषताएँ ,भारतेन्दु हरिश्चंद्र का योगदान।

ख) द्विवेदी-युग की प्रमुख विशेषताएँ।
कवि परिचय- हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त।

ग) छायावाद युग की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद तथा स्वच्छंदतावाद में अंतर।
कवि परिचय- प्रसाद, पंत, निराला तथा वर्मा।

घ) प्रगतिवाद- युग की प्रमुख विशेषताएँ।
कवि परिचय- दिनकर तथा नागार्जुन।

ङ) प्रयोगवाद तथा नई कविता की प्रमुख विशेषताएँ।
कवि परिचय- अज्ञेय, केदारनाथ अग्रवाल तथा दुष्यंत कुमार।

Module –II: आधुनिक-काव्य **50 marks**

क) जयशंकर प्रसाद –

१. ले चल मुझे भुलावा देकर

२. हिमाद्री तृंग श्रृंग

ख) सुमित्रानंदन पंत –

१. बादल

२. गीत- विहग

ग) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'-

१. जागो फिर एक बार

२. राजे ने रखवाली की

घ) महादेवी वर्मा –

१. मैं नीर भरी दुख की बदली

२. बीन भी हूँ मैं

ङ) नागार्जुन-

१. गुलाबी चुड़ियाँ

२. घिन तो नहीं आती

च) अज्ञेय-

१. उड़ चल हारिल

२. कलगी बाजरे की

छ) दुष्यंत कुमार-

१. हो गई है पीर पर्वत-सी

२. उगते सूर्य से

Semester-IV

गद्य विधाएँ एवं साहित्य-सिद्धांत **100 marks**

Module – I: गद्य विधाएँ- **50 marks**

क) निबंध का उद्भव एवं विकास

१. बालमुकुंद गुप्त – पीछे मत फेंकिए

२. आ॰ हजारी प्रसाद द्विवेदी- कुटज

३. विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भींग रहा है

ख) संस्मरण:-

अज्ञेय –बसंत का अग्रदूत

ग) यात्रा वृत्तांत:- अमृतलाल बेगड़- सौंदर्य की नदी नर्मदा

Module –II: साहित्य-सिद्धांत **50 marks**

क) शब्द एवं शब्द-शक्तियों की परिभाषा तथा भेद- अभिधा, लक्षणा, व्यंजना (ध्वनि)।

ख) रस का स्वरूप, प्रकार एवं अवधारणा।

ग) अलंकार की परिभाषा एवं निम्नांकित अलंकार- उपमा, रूपक, श्लेष, यमक, उत्प्रेक्षा, अनुप्रास तथा अतिश्योक्ति।

घ) प्रतीक एवं बिम्ब।

ङ) काव्य-गुण।

Semester-V

प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध-रूप **100 marks**

क) प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय, उपयोगिता तथा प्रयोग के क्षेत्र।

ख) राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति; राजभाषा अधिनियम-१९६३ ; राजभाषा संकल्प-१९६८; राजभाषा नियम-१९७६; सामान्य जानकारी।

ग) प्रशासनिक पत्राचार: आवेदन, आलेखन, अधिसूचना तथा प्रतिवेदन-लेखन।

घ) विज्ञापन-लेखन:-अर्थ एवं परिभाषा, भेद, उपयोगिता, प्रविधि एवं विज्ञापन-नमूना।

ङ) समाचार तथा रिपोर्ट में अंतर; संवाददाता की योग्यताएँ एवं दायित्व।

च) प्रूफ़ संशोधन: प्रूफ़ कार्य का सामान्य परिचय; प्रूफ़ संशोधन के संकेत और पद्धति; प्रूफ़ संशोधन व्यवहार।

छ) पारिभाषिक शब्दावली: १५० शब्द।

ज) कम्प्यूटर: हिन्दी साफ्टवेयर।

Semester-VI

वर्ग (ग) दृश्य-श्रव्य माध्यम और हिंदी साहित्य 100 अंक

क. दृश्य-श्रव्य माध्यम : 15 अंक

स्वरूप, प्रकार – (रेडियो, टी.वी., फ़िल्म, रंगमंच), परिचय इतिहास, दृश्य-श्रव्य माध्यमों की सामाजिक भूमिका, मीडिया की पारिभाषिक शब्दावली 20 अंक

ख .दृश्य-श्रव्य माध्यमों के विविध रूप :

फीचर : बंबई में पानी की कमी . – परिक्रमा : कमलेश्वर

रेडियो एकांकी : कालकूप का कालचक्र – सात राष्ट्रीय रेडियो एकांकी, चिरंजीत

ध्वनि रूपक – छतरियाँ – मोहन राकेश

वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री) उत्तराखंड का बदलता चेहरा : मनोहर श्याम जोशी

धारावाहिक –नीम का पेड़ – राही मासूम रज़ा

फिल्म – तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम –फणीश्वरनाथ रेणु

ग. दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन (मौलिक तथा सृजनात्मक) 25 अंक

समाचार, वार्ता, परिचर्चा, साक्षात्कार, रूपक, फीचर, विज्ञापन, वृत्तचित्र, टेलीफिल्म, धारावाहिक, फीचर फिल्म आदि के लिए (क) आलेख लेखन, (ख) पटकथा लेखन, (ग) संवाद लेखन

↓ ↓ ↓

(रेडिया, टी.वी., फिल्म और रंचमंच के संदर्भ में)

घ. रूपांतरण 15 अंक

–रेडियो के लिए – तीन एकांत – निर्मल वर्मा

–टेलीफिल्म के लिए – तमस – भीष्म साहनी

–रंगमंच के लिए – महाभोज – मन्नू भंडारी

परियोजना 25 अंक

–हिंदी साहित्य की विविध विधाओं का दृश्य-श्रव्य माध्यमों में रूपांतरण

झ)

First Paper

1.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल	: हिंदी साहित्य का इतिहास
2.	हजारी प्रसाद द्विवेदी	: हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास
3.	डॉ. राम कुमार वर्मा	: हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
4.	डॉ. नगेन्द्र	: हिंदी साहित्य का इतिहास
5.	डॉ. बच्चन सिंह	: आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
6.	डॉ. बच्चन सिंह	: हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
7.	आचार्य विश्वनाथ प्रसार मिश्र	: हिंदी साहित्य का अतीत-2
8.	डॉ. रामविलास शर्मा	: भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण
9.	डॉ. रामविलास शर्मा	: महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण
10.	डॉ. नामवर सिंह	: आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां
11.	शंभुनाथ	: हिंदी नवजागरण और संस्कृति

Second Paper

1.	विद्यापति	: डॉ. शिव प्रसाद सिंह
2.	विद्यापति	: डॉ. आनन्द प्रसाद दीक्षित
3.	कबीर	: डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
4.	कबीर	: संपादक - वासुदेव सिंह
5.	मीरा का काव्य	: डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
6.	तुलसी	: डॉ. उदयभानु सिंह
7.	घनानंद का काव्य	: डॉ. रामदेव शुक्ल
8.	सूरदास	: हरवंश लाल शर्मा(संपादक)
9.	सूरदास	: ब्रजेश्वर वर्मा
10.	तुलसीकृत विनय पत्रिका	: योगेंद्र प्रसाद सिंह
11.	तुलसी की साहित्य साधना	: ललन राय
12.	गोस्वामी तुलसीदास	: रामजी तिवारी
13.	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य	: मैनेजर पांडेय
14.	भक्ति काव्य और लोकजीवन	: शिवकुमार मिश्र
15.	बिहारी का नया मूल्यांकन	: बच्चन सिंह